अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : नवम्बर-दिसम्बर 2023

परीक्षा का नाम : विशारद पूर्ण (द्वितीय प्रश्नपत्र)

विषय : कथ्थक

दि. 19/11/2023 समय : 3 घंटे (दोपहर 2 से 5) कुल अंक : 75

सूचना : 1) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखे ।
2) सभी प्रश्नों के गुण समान है ।

प्र.1. लिपिबद्ध करें। (कोई तीन) (5x3=15)

(ताल को परिचय देना आवश्यक है)

1. रास ताल में एक बेदम तिहाई।
2. मत्त ताल में कवित्त
3. शिखर ताल में गिनती की तिहाई
4. धमार ताल में फरमाईशी चक्रदार परण
5. तीनताल में प्रिमल्

प्र.2. टिप्पणी लिखे। (5x3=15)

1. लोकधर्मी तथा नाट्यधर्मी
2. कवित्त तथा ठुमरी
3. चतुरंग तथा तराना

प्र.3. जीवनीयाँ लिखे। (कोई तीन) (5x3=15)

1. महाराज कृष्णकुमार
2. पं.बिरजु महाराज
3. गुरु सुंदरप्रसाद
4. गुरु मोहनराव कल्याणपुरकर

प्र.4. संक्षिप्त जानकारी। (5+10=15)

अ) पौराणिक साहित्य में नृत्य के संदर्भ लिखे। (5)

ब) नरसिंहअवतार, रामअवतार, कल्कीअवतार की जानकारी मुद्रा सहीत। (10)

प्र.5. अ) एक वाक्य में जबाब दे। (5)

1. दोनो हाथोकी त्रिपताका मुद्रा किस देवता को दर्शाती है।
2. वरुण मुद्रा
3. आठ भागों की रचना
4. लय ताल में बंदे हुए काव्य के बोल
5. अलग अलग बोलों के बनी हुई रचना या बंदिश

ब) जोडी लगाए। (5)

अ	ब
1. जयपुर घराना	1. लक्ष्मी
2. मत्त ताल	2. ठुमरी
3. दशावतार	3. सुंदरप्रसादजी
4. दोनो हाथोंकी कपित्थ मुद्रा	4. 18 मात्रा
5. ठुमकने का भाव	5. नरसिंह

क) सही (✓) या गलत (X)। (5)

1. काव्य के बोलो को नटवरी कहा जाता है।
2. एक बोलों की तीनबार प्रस्तुत करने को फरमाईशी कहा जाता है।

3. बिना किसी वस्तु को मंच पर लाए केवळ मुद्रा व्दारा किए जानेवाला अभिनय नाट्यधर्मी कहलाता है।

4. तीन अंगो से बनी हुई बंदिश त्रिवट कहलाती है।

5. मुर्तीकला का समावेश ललितकला के अंतर्गत नही किया जाता।

प्र.6. अ) स्तुती, अष्टपदी, त्रिवट, फरमाईशी शब्दोंकी परिभाषा स्पष्ट करे। (8)

ब) भारतीय नृत्य कला की विदेशों मे बढती हुई लोकप्रियता पर अपना विचार लिखे। (7)

प्र.7. अ) मुर्तीकला, चित्रकला, गायन, वादन एवं साहित्य का नृत्य से संबंध स्पष्ट करे। (15)

अथवा

ब) आधुनिक तकनीक व्दारा नृत्य प्रस्तुती में किए जानेवाले उपकरण तथा उनका स्वरुप स्पष्ट करे।